संख्या-22/2020/575/71-4-2020

प्रेषक,

डा0 रजनीश दुबे,
प्रमुख सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
ग्रेटर नोएडा।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-4 लखनऊ : दिनांक 30 जून, 2020

विषयः- वित्तीय वर्ष 2020-21 में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, कासना ग्रेटर नोएडा के कार्मिकों के गैर वेतन मद की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या-रा.आ.स./वित्त/2020/47, दिनांक 16.05.2020 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-105-03-0371-राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) मद में प्राविधानित धनराशि रू0 2500.00 लाख के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में 416.00 लाख (रूपए चार सौ सोलह लाख) अवमुक्त करते हुए आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं।

(धनराशि रू0 लाख में)

राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा।		
राजस्व	2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-105-03-0371-राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	416.00
	योग	416.00

1- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 24.03.2020 के प्रस्तर-2(6) में उल्लिखित प्राविधानानुसार विगत वर्ष की कोई अप्रयुक्त धनराशि यदि अवशेष है, तो इसका पहले समायोजन करने के उपरान्त ही उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग किया जायेगा तथा समायोजन का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

2- स्वीकृत की जा रही धनराशि पी0एल0ए0/डाकघर/बैंक में नहीं रखी जायेगी।

3- स्वीकृत धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार एवं व्यय नियमानुसार किया जायेगा तथा इसका उपयोग उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी अन्य मद में व्यय वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी।

4- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 24.03.2020 में उल्लिखित दिशा निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

5- गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में स्वीकृत धनराशि तथा वर्तमान में स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर शासन को शीघ्र उपलब्ध कराया जायेगा, इसके अभाव में अनुदान की आगामी किश्त निर्गत किया जाना संभव नहीं होगा।

6- धनराशि को कोषागार से संस्थान के वित्त नियंत्रक द्वारा आहरित किया जाएगा एवं बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक 24.03.2020 द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिहित किए गये अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(डा0 रजनीश दुबे)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 22**/2020/575**(1)/71-4-2020-तद्दिनांक-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- महालेखाकर, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- प्रधान महालेखाकार, (सिविल आडिट) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- कोषाधिकारी, कासना, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर।
4- महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0, लखनऊ।
5- वित्त अधिकारी, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, कासना, ग्रेटर नोएडा।
6- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग-4/वित्त (आय-व्ययक)अनुभाग-2
7- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0, प्रयागराज।
8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(अनिल कुमार सिंह)
उप सचिव